Naidunia (Indore), 08th June 2026, Naidunia City, Page - I

11 हजार रैंक तक मिल सकता है आइआइटी इंदौर में प्रवेश

एनआइटी में भी अवसर

भरत मानघन्या ● नईदुनिया

इंदौर: जेईई मैंस और एडवांस का रिजल्ट आ चुका है और अब विद्यार्थियों की नजर जोसा काउंसिलिंग पर है। यह काउंसिलिंग विद्यार्थियों को आइआइटी, एनआइटी, आइआइआइटी और अन्य सरकारी संस्थानों में सीट पाने का अवसर देती है। खासकर आइआइटी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में प्रवेश लेना हर छात्र का सपना होता है। जेईई एडवांस के मार्क्स के आधार पर जहां आइआइटी में प्रवेश मिलेगा, तो वहीं मैंस के स्कोर के आधार पर एनआइटी, आइआइआइटी और अन्य सरकारी इंजीनियरिंग की राह सुनिश्चित होगी। विशेषज्ञों के अनुसार विद्यार्थियों में सबसे ज्यादा मांग हमेशा की तरह कंप्यूटर साइंस ब्रांच की होती है। इसके अलावा मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, केमिकल और अन्य इंजीनियरिंग ब्रांच की डिमांड रहती है। पिछले साल के आंकड़ों पर गौर करें तो जिन विद्यार्थियों की आल इंडिया रैंक 11 हजार तक है, उन्हें आइआइटी इंदौर में प्रवेश मिलने की संभावना है।

इस विकल्प पर भी रख सकते हैं नजर

विषय विशेषज्ञ विजित जैन के अनुसार आइआइटी इंदौर में पिछले साल जनरल कैटेगरी के लिए कंप्यूटर साइंस की सीट करीब 1775 आल इंडिया रैंक तक गई थी। इसका मतलब है कि जिन छात्रों की रैंक लगभग 1800 के आसपास या उससे बेहतर है, उनके पास इस ब्रांच में प्रवेश की अच्छी संभावना हो सकती है। वहीं, मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग भी छात्रों की पसंदीदा ब्रांच बन चुकी है। पिछले साल यह ब्रांच करीब 2100 रैंक तक बंद हुई थी। ऐसे में 2000 से 2200 रैंक के बीच रहने वाले छात्र इस विकल्प पर नजर रख सकते हैं।

इन ब्रांचों में भी संभावना

आइआइटी इंदौर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पिछले साल क्लोजिंग रैंक करीब 3700 रही थी। यानी जिन छात्रों की रैंक 3500 से 4000 के बीच है, वे इस ब्रांच में सीट मिलने की उम्मीद कर सकते हैं। वहीं, स्पेस साइंस और मैकेनिकल इंजीनियरिंग जैसी ब्रांचों की सीटें लगभग 7500 रैंक तक गई थीं। इसलिए 7000 से 8000 रैंक के बीच आने वाले छात्रों के लिए ये अच्छे विकल्प बन सकते हैं।

फिजिक्स ब्रांच की क्लोजिंग रैंक करीब 8200 रही थी। वहीं, केमिकल इंजीनियरिंग लगभग 8800 रैंक तक गई थी।

इसके अलावा सिविल इंजीनियरिंग करीब 10 हजार रैंक तक और मेटलर्जी लगभग 11 हजार रैंक तक बंद हुई थी। इस आधार पर देखा जाए तो जिन छात्रों की जनरल कैटेगरी में रैंक 11 हजार तक है, उनके पास आइआइटी इंदौर में किसी न किसी ब्रांच में प्रवेश पाने की संभावना बन सकती है। हालांकि अंतिम स्थिति इस साल की सीटों, छात्रों की पसंद और काउंसलिंग के दौरान होने वाले बदलावों पर निर्भर करेगी।

इन संस्थानों में भी प्रवेश के अवसर

जोसा काउंसलिंग के जरिए केवल आइआइटी ही नहीं, बल्कि एनआइटी, आइआइआइटी और कई अन्य सरकारी संस्थानों में भी प्रवेश मिलता है। ऐसे में जिन छात्रों को आइआइटी नहीं मिल पाता, उनके लिए भी अच्छे कालेजों के दरवाजे खुले रहते हैं। विशेषज्ञ सुधीर शर्मा के अनुसार जिन छात्रों की रैंक जेईई मैंस में अच्छी है, उनके लिए एनआइटी में प्रवेश के अच्छे अवसर बनते हैं। यहां भी कई ब्रांचों में शानदार प्लेसमेंट और पढ़ाई की सुविधाएं मिलती हैं। मध्य प्रदेश के छात्रों के लिए राज्य के इंजीनियरिंग कालेज भी एक बड़ा विकल्प हैं। अगर किसी छात्र को जोसा के जरिए मनचाहा कालेज नहीं मिलता है, तो वह राज्य स्तरीय काउंसिलिंग में हिस्सा ले सकता है। इसके लिए अलग प्रक्रिया होती है, जिसे एमपीडीटीई काउंसिलिंग कहा जाता है। इस काउंसिलिंग के माध्यम से राज्य के सरकारी और निजी इंजीनियरिंग कालेजों में प्रवेश मिलता है।

आइआइटी इंदौर में पिछले साल की क्लोजिंग रैंक

1	मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग	2,100
2	कंप्यूटर साइंस	1,775
3	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	3,700
4	स्पेस साइंस, मैकेनिकल इंजी.	7,500
5	फिजिक्स	8,200

(रैंक जनरल कैटेगरी के अनुसार)

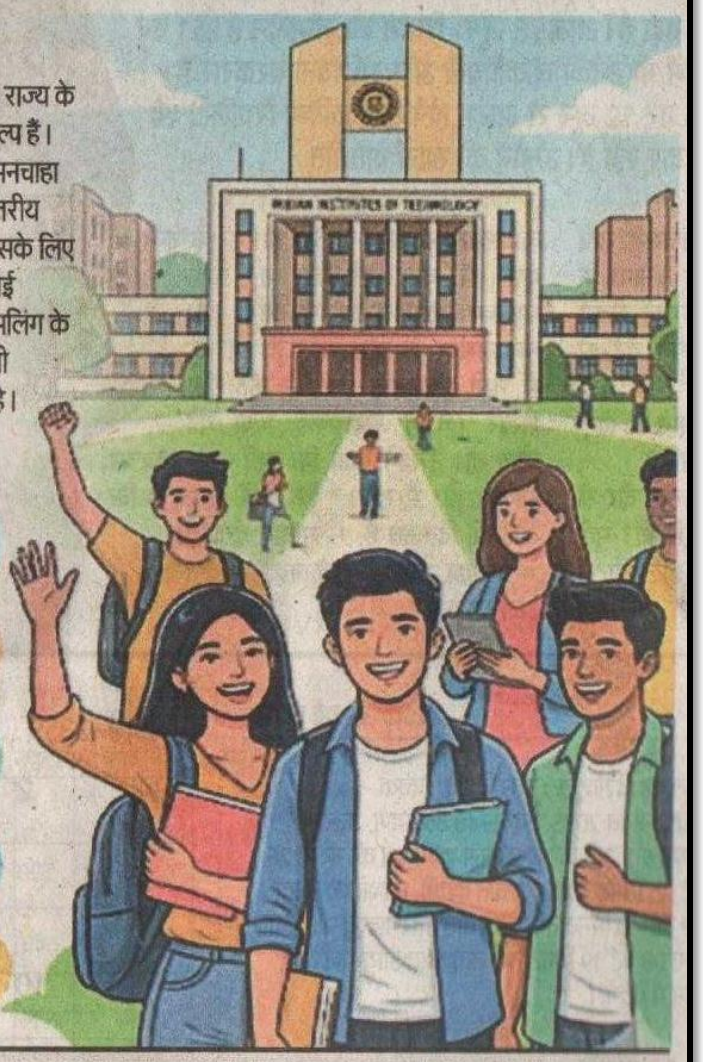

इन संस्थानों में भी विकल्प ● एनआइटी ● आइआइआईटी ● एसजीएसआइटीएस ● अन्य सरकारी व निजी संस्थान